पंजाब राजभवन

संकल्प

विशेष संस्करण

सत्यमेव जयते

नशा मुक्त रंगला पंजाब

संदेश

प्रिय पाठको,

मैं गर्व और प्रतिबद्धता के साथ नशा मुक्त रंगला पंजाब के इस विशेष संस्करण को प्रस्तुत कर रहा हूँ, जो हमारे राज्य में नशे के विरुद्ध शुरू हुए एक ऐतिहासिक जन आंदोलन को समर्पित है। यह केवल एक यात्रा नहीं थी, बल्कि एक जन-जागृति थी – पंजाब की आत्मा से उठी हुई पुकार, जिसने हर वर्ग और समुदाय को एकजुट कर दिया।

इस बार की छह दिन की यात्रा की शुरुआत मैंने श्री दरबार साहिब, दुर्ग्याणा मंदिर और श्रीराम तीर्थ के दर्शन से की – बस वहीं से मन में संकल्प लिया कि इस बार नशे के खिलाफ अपनी लड़ाई को और मजबूत करना है। हर दिन हमने करीब 2 से 5 किलोमीटर की पदयात्रा की, लेकिन ये सिर्फ दूरी तय करने की बात नहीं थी, ये एक सोच, एक संकल्प और एक समाज को जोड़ने की कोशिश थी।

लुधियाना, खरड़ और चंडीगढ़ – हर जगह हमने अलग-अलग जन-जागरण यात्राएँ कीं। युवाओं, छात्रों और आम लोगों से खुलकर बात की, और देखा कि लोग वाकई इस बदलाव के लिए तैयार हैं। सिर्फ यात्राएँ ही नहीं – हमने कई धर्मगुरुओं से भी मुलाकात की, उनका आशीर्वाद लिया, और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से सेमिनार कराए।

कह सकते हैं कि ये सिर्फ एक यात्रा नहीं थी – ये एक जनआंदोलन की एक और मज़बूत कड़ी थी। इस अभियान की विशेष बात यह रही कि इसमें केवल सरकार या संस्थाएँ ही नहीं, बल्कि आम नागरिक, विद्यार्थी, खिलाड़ी, कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिक प्रतिनिधि सभी ने कंधे से कंधा मिलाकर साथ दिया। चंडीगढ़ में भी यह मुहिम पूरे जोश के साथ आगे बढ़ी, जहाँ युवाओं की भागीदारी और संस्थानों की सक्रियता ने इस आंदोलन को नया बल प्रदान किया।

इस जनचेतना की सबसे सशक्त बात यह है कि यह केवल नशे के खिलाफ एक आंदोलन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण है – अपनी जड़ों से जुड़कर अपने भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प। मैं पंजाब एवं चंडीगढ़ के हर नागरिक से आग्रह करता हूँ कि वे इस लड़ाई को अपनी लड़ाई समझें। आइए, हम सब मिलकर अपने युवाओं को रचनात्मकता, शिक्षा और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ाएँ। जब पूरा समाज एक स्वर में कहेगा नशा नहीं, नव निर्माण चाहिए, तब निश्चय ही हमारा रंगला पंजाब नशा मुक्त भी होगा और गौरवशाली भी।

गुलाब चंद कटारिया
राज्यपाल, पंजाब एवं प्रशासक, चंडीगढ़

श्री दरबार साहिब, श्री दुर्ग्याणा मंदिर और श्री राम तीर्थ में पंजाब को नशा मुक्त करने के लिए प्रार्थना की

राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने पंजाब को नशा मुक्त करने के लिए श्री दरबार साहिब में माथा टेका। उन्होंने पालकी साहिब को कंधा दिया। सुबह के समय, गुरबानी में भाव-विभोर होते हुए, उन्होंने पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस धार्मिक आराधना और सेवा का कार्य अभियान की धार्मिक और सामाजिक महत्ता को दर्शाता है। इसके पश्चात राज्यपाल ने श्री दुर्ग्याणा मंदिर के दर्शन किए और पंजाब के समृद्ध सांस्कृतिक व आध्यात्मिक मूल्यों की सराहना की। उन्होंने श्री राम तीर्थ जाकर भी पूजा-अर्चना की और युवा पीढ़ी को मर्यादा, सेवा और त्याग के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने का संदेश दिया।

वीरों की धरती से नशे के खिलाफ हुंकार

श्री करतारपुर साहिब गलियारा, डेरा बाबा नानक से जलियांवाला बाग, अमृतसर तक

छह दिवसीय पदयात्रा की शुरुआत की

पहला दिन

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के नेतृत्व में 3 से 8 अप्रैल तक हुई पदयात्रा ने नशे के खिलाफ जनचेतना को दी नई दिशा

डेरा बाबा नानक, 3 अप्रैल 2025 - नशे के खिलाफ एक निर्णायक जन आंदोलन की शुरुआत करते हुए पंजाब के राज्यपाल और भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, पंजाब के अध्यक्ष श्री गुलाब चंद कटारिया ने श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर से ऐतिहासिक पदयात्रा का नेतृत्व किया। राज्यपाल ने पदयात्रा का शुभारंभ करते हुए कहा, यह वीरों की धरती है, यहां नशे के लिए कोई स्थान नहीं। अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर इस सामाजिक बुराई को जड़ से उखाड़ फेंकें। इस अवसर पर श्री कटारिया ने गुरुद्वारा श्री दरबार साहिब, डेरा बाबा नानक में मत्था टेका और पंजाब के कल्याण की प्रार्थना की। इसके पश्चात उन्होंने रेड क्रॉस सोसायटी के माध्यम से ज़रूरतमंदों को ट्राइसाइकिलें भी वितरित कीं।

ग्राम रक्षा समितियों के साथ संवाद और सहयोग का आह्वान – श्री करतारपुर साहिब में राज्यपाल ने ग्राम रक्षा समितियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और नशा उन्मूलन के लिए उनके प्रयासों की सराहना की।

3 अप्रैल 2025 को, श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर, डेरा बाबा नानक की पवित्र धरती से जब राज्यपाल के नेतृत्व में नशा विरोधी पदयात्रा का आरंभ हुआ, तो यह एक प्रेरणादायक सामाजिक आंदोलन बन गया। यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश था कि अब पंजाब की भूमि को नशे से मुक्त करने के लिए राज्य की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था भी अग्रणी भूमिका निभा रही है।

राज्यपाल द्वारा दी गई यह स्पष्ट और सशक्त प्रेरणा कि गुरुओं, वीरों और बलिदानों की भूमि पर नशों के लिए कोई जगह नहीं है, जन-जन के मन में एक नई चेतना जागृत कर गई। यात्रा के हर पड़ाव पर राज्यपाल की उपस्थिति ने आंदोलन को एक गरिमा और गंभीरता प्रदान की, जिससे समाज के सभी वर्ग इस जंग में सक्रिय सहभागी बन गए।

राज्यपाल ने न केवल भावनात्मक अपील की, बल्कि ऐतिहासिक उदाहरणों का स्मरण कर यह दर्शाया कि पंजाब हमेशा चुनौतियों के सामने झुकने के बजाय उनसे जूझता रहा है। साहिबजादों के बलिदान, सीमाओं की रक्षा में पंजाबियों की भूमिका और हर राष्ट्रीय संकट में पंजाब की अग्रणी भूमिका का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने नशे के खिलाफ इस मुहिम को एक नई जंग का स्वरूप दिया।

यात्रा के दौरान युवाओं, छात्रों, शिक्षकों, धार्मिक नेताओं और स्वयंसेवी संस्थाओं की व्यापक भागीदारी ने इसे जन आंदोलन बना दिया। गुरुद्वारों में अरदास से लेकर गांवों की गलियों में जनसभा तक, हर कदम पर यह संदेश गूंजा कि नशे से लड़ाई अब हर पंजाबी की जिम्मेदारी है।

दूसरा दिन

जनजागरूकता की हुंकार

नशे को मिटाने का सामूहिक संकल्प

4 अप्रैल 2025, फतेहगढ़ चूड़ियां, बटाला, राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने स्पष्ट किया कि नशा पंजाब की धरती को खोखला कर रहा है और इसे जड़ से खत्म करने के लिए एकजुट प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा, नशा मुक्त पंजाब और नशा मुक्त भारत बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि अपने गली-मोहल्लों के बाहर बोर्ड लगाएं, जिन पर लिखा हो—हम नशे का डटकर विरोध करते हैं—ताकि यह संदेश व्यापक स्तर पर फैले।

जनसमूह को दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

यह पदयात्रा बंदेशा रिजॉर्ट, गांव ढांडे से आरंभ होकर फतेहगढ़ चूड़ियां के मुख्य बाज़ारों से होती हुई पंडित मोहन लाल एस.डी. महिला कॉलेज में संपन्न हुई। यात्रा के समापन पर राज्यपाल ने उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति अभियान में भागीदारी की शपथ भी दिलाई।

विलेज डिफेंस कमेटियों की भूमिका की सराहना

राज्यपाल श्री कटारिया ने विलेज डिफेंस कमेटियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर नशे की रोकथाम में उनके योगदान की सराहना की और उन्हें विशेष सम्मान देने की घोषणा की। उन्होंने उनकी भूमिका को जन सहयोग की रीढ़ बताया और उनके सुझाव भी आमंत्रित किए।

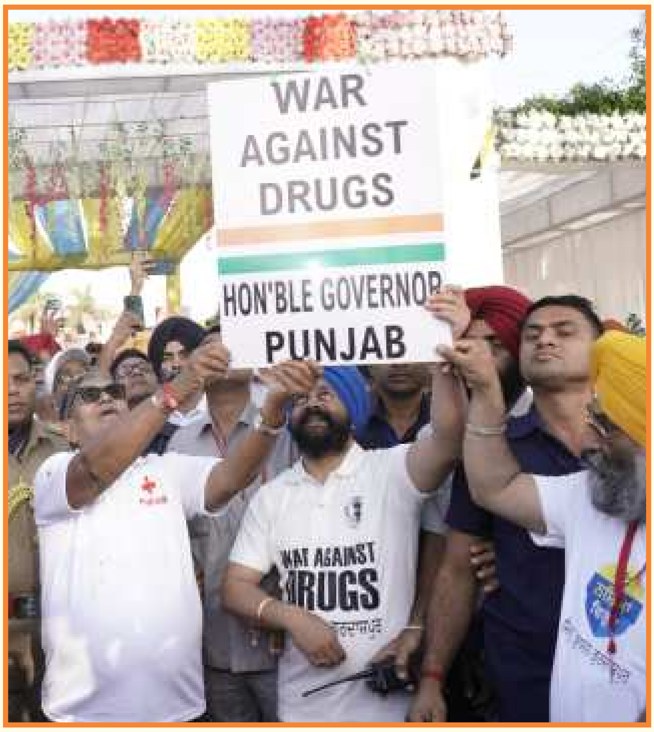

तीसरा दिन
नशे के खिलाफ जंग में गांवों से उठी जागरूकता की लहर

राज्यपाल ने युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करते हुए ग्राम रक्षा समितियों को खेल स्टेडियम स्थापित करने की सलाह दी ताकि युवाओं की ऊर्जा रचनात्मक दिशा में लगे। अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी रमनदीप सिंह (ओलंपियन) और आकाशदीप सिंह (अर्जुन पुरस्कार विजेता) भी इस पदयात्रा में शामिल हुए और उन्होंने अपने अनुभव साझा कर युवाओं को प्रेरित किया।

उन्होंने इस अवसर पर ग्राम रक्षा समितियों के सदस्यों को खेल किट वितरित कीं और उल्लेखनीय कार्य करने वाले सदस्यों को विशेष रूप से सम्मानित करने की घोषणा की। बैठक में मरड़ीकलां, सोहिया कलां, अनायतपुरा, पंधेर खुर्द, मेहंदीपुर, जोहल, बोगोवाल, रख भंगवां, भोमा, ढंडे, ढरपई और पंधेर गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

धार्मिक चेतना से सामाजिक बदलाव तक

नवां पिंड से पंधेर गांव तक की पदयात्रा केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि एक सशक्त संदेश बन गई। राज्यपाल ने कहा कि पंजाब की पावन भूमि ने सदैव अन्याय के विरुद्ध लड़ाई लड़ी है और आज नशे के खिलाफ यह नई जंग उसी विरासत को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबज़ादों-बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह-के बलिदान को स्मरण करते हुए इसे वर्तमान सामाजिक बुराई के विरुद्ध लड़ाई से जोड़ा।

उन्होंने बताया कि सीमा पार से ड्रोन के ज़रिए नशा भेजे जाने की घटनाएं चिंताजनक हैं, लेकिन सुरक्षा बलों और जनता के समन्वय से इन गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगाया गया है। उन्होंने यह भी साझा किया कि राज्य सरकार बड़े तस्करों के खिलाफ कठोर कार्रवाई कर रही है और नशे के नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

नशे के खिलाफ जंग – शहीदों की धरती को नशामुक्त करने का संकल्प

सीमा सुरक्षा और जन सहयोग दोनों हैं ज़रूरी

राज्यपाल ने कहा कि पंजाब, जो देशभक्ति और बलिदान की मिसाल रहा है, आज नशे की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। पाकिस्तान जैसे दुश्मन देश नशीले पदार्थों की तस्करी में लगे हुए हैं, लेकिन भारतीय सुरक्षा बल और ग्राम स्तरीय रक्षा समितियाँ दिन-रात सतर्क रहकर इसे रोकने में जुटी हैं।

उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा सीमावर्ती इलाकों में एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए गए हैं और इनकी संख्या में और बढ़ोतरी की जा रही है ताकि ड्रोन के माध्यम से हो रही तस्करी पर लगाम लगाई जा सके।

सरकार के प्रयासों से आगे बढ़कर चाहिए जन भागीदारी

शहीद भगत सिंह ग्रुप ऑफ कॉलेज, फतेहगढ़ चूड़ियां रोड पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा, नशे के खिलाफ यह लड़ाई केवल सरकार या मेरी पैदल यात्रा से नहीं जीती जा सकती; इसके लिए समाज के हर वर्ग का सहयोग जरूरी है।

उन्होंने बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों से अपने-अपने क्षेत्र को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। विशेष रूप से अभिभावकों को आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को खेल के मैदानों, गुरुद्वारों, मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों से जोड़ें।

चौथा दिन

जनयुद्ध के सेनापति

पंजाब के राज्यपाल की नशे के खिलाफ पदयात्रा

अमृतसर में दूसरी बार पदयात्रा, जनजागरूकता का संदेश

6 अप्रैल 2025 को राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने अमृतसर देहाती के गांव मज्जूपुरा से चेतनपुरा तक लगातार दूसरे दिन नशा विरोधी पदयात्रा की। उन्होंने कहा कि पंजाब की वीरभूमि को नशे से नहीं गिरने देंगे और जनता से इस बुराई के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया।

सीमावर्ती राज्य में सुरक्षा एजेंसियों की सजगता

राज्यपाल ने बताया कि पंजाब जैसे सीमावर्ती राज्य में नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां, सीमा बल, और ग्राम स्तरीय रक्षा समितियां पूरी सजगता से काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि सीमा पर एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए गए हैं और इनकी संख्या बढ़ाई जा रही है। पंजाब सरकार भी इस दिशा में प्रयासरत है।

युवाओं को खेल और अध्यात्म से जोड़ने का आह्वान

फतेहगढ़ चूड़ियां रोड स्थित शहीद भगत सिंह ग्रुप ऑफ कॉलेज में सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने बच्चों, युवाओं और उनके माता-पिता से अपील की कि वे अपने बच्चों को खेलों और धार्मिक स्थलों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि खेल अनुशासन और नेतृत्व सिखाते हैं, जबकि मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारों से जुड़ाव बच्चों को सामाजिक बुराइयों से दूर रखता है। उन्होंने बताया कि प्रशासन गांवों में खेल स्टेडियमों के निर्माण की योजना चला रहा है।

नशा मुक्ति में जनभागीदारी है सबसे अहम

राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि नशा केवल सरकार की कोशिशों से खत्म नहीं होगा, बल्कि इसमें हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग–बच्चों, युवाओं, माता-पिता, शिक्षकों और पंचायती संस्थाओं–को इसमें सहयोग देना होगा। ऑक्सफोर्ड स्कूल से शुरू होकर शहीद भगत सिंह कॉलेज तक निकली इस पदयात्रा में सैकड़ों छात्र, नागरिक, अधिकारी और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल हुए, जिससे यह जन आंदोलन का रूप लेता दिखा।

पांचवां दिन

अमृतसर पहुँची नशा मुक्ति पदयात्रा, राज्यपाल ने दी जनजागृति की अपील

7 अप्रैल 2025 - पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया द्वारा पंजाब सरकार की नशा विरोधी युद्ध मुहिम के तहत लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से डेरा बाबा नानक की पवित्र धरती से शुरू की गई पदयात्रा पांचवें दिन अमृतसर शहर में प्रवेश कर गई। यात्रा के दौरान राज्यपाल ने यह स्पष्ट किया कि नशे जैसी सामाजिक बुराई से लड़ने के लिए केवल सरकारी प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए समाज की भागीदारी, परिवार की सजगता और युवा पीढ़ी की सकारात्मक दिशा में भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि खेल, शिक्षा और कौशल विकास युवाओं को नशे से दूर रखने में मददगार सिद्ध हो सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं विकसित करनी चाहिए ताकि युवा ऊर्जा को सही दिशा में लगाया जा सके। साथ ही, उन्होंने यह भी जोर दिया कि युवाओं को खेती और पारिवारिक व्यवसायों से जोड़ना चाहिए जिससे उनमें मेहनत और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित हो।

जन समर्थन और सामूहिक संकल्प

अमृतसर में पदयात्रा को अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी तेजवीर सिंह हुंदल और जुगराज सिंह जैसे प्रेरक व्यक्तित्वों का समर्थन मिला। इसके अलावा सांसद विक्रमजीत साहनी, श्री अविनाश राय खन्ना, डॉ. करमजीत सिंह (वाइस चांसलर, जीएनडीयू), लक्ष्मी कांता चावला, पुलिस कमिश्नर श्री गुरप्रीत सिंह भुल्लर, डिप्टी कमिश्नर साक्षी साहनी, और वर्ल्ड पंजाबी ऑर्गनाइजेशन के उपाध्यक्ष श्री करन गल्होत्रा सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भी इसमें भाग लिया।

शहर की व्यापारिक, औद्योगिक और सामाजिक संस्थाओं ने भी राज्यपाल का सम्मान और समर्थन व्यक्त किया। यात्रा के उपरांत गुरु नानक देव विश्वविद्यालय में आयोजित बैठक में राज्यपाल ने ग्रामीण सुरक्षा समितियों से संवाद किया और उन्हें नशे की तस्करी रोकने में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रशासन से भी इन समितियों को और सशक्त करने की अपील की, ताकि वे अपने क्षेत्रों में जागरूकता, सुरक्षा और सहयोग का मजबूत तंत्र बना सकें।

अंतिम दिन

जलियांवाला बाग में हुआ नशों के विरूद्ध छह दिवसीय पदयात्रा का समापन

जलियांवाला बाग में ऐतिहासिक समापन और जनसंघर्ष की अपील

8 अप्रैल 2025 - यात्रा का समापन जलियांवाला बाग में हुआ, जहां राज्यपाल ने शहीदों की पवित्र भूमि से प्रदेशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पंजाब की भूमि शहीदों के खून से सिंची हुई है और हमें अपनी धरती को नशे जैसी बुराई से मुक्त करना होगा। राज्यपाल ने शहीदों की श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि जब तक आम लोग इस अभियान का हिस्सा नहीं बनेंगे, तब तक न तो सरकारें और न ही किसी एक व्यक्ति की कोशिशें नशे के खिलाफ प्रभावी हो सकती हैं।

जनसहभागिता की महत्ता और भविष्य के कदम

राज्यपाल ने पदयात्रा के समापन पर सभी जनसमूहों से अपील की कि यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज का होना चाहिए। जब तक हर नागरिक इसमें भाग नहीं लेता, तब तक नशे के खिलाफ जंग अधूरी रहेगी।

उन्होंने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे इस गंभीर विषय पर राजनीति न करें, बल्कि एकजुट होकर ईमानदारी से इस समस्या को जड़ से खत्म करने में सहयोग करें। राज्यपाल ने युवाओं, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक संगठनों, मीडिया और सामाजिक संस्थाओं से इस अभियान को जन आंदोलन में बदलने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित किया कि वे खुद भी नशे से दूर रहें और दूसरों को भी जागरूक करें। यात्रा के दौरान राज्यपाल ने सीमा सुरक्षा समितियों व ग्रामीण संगठनों के कार्यों की सराहना की और सुझाव दिया कि उनके प्रदर्शन के आधार पर उन्हें अधिक वित्तीय सहायता मिले, ताकि तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण हो सके।

इस यात्रा में कई प्रतिष्ठित हस्तियाँ भी शामिल रहीं, जिन्होंने जन-जागरूकता को नई दिशा दी। यह पदयात्रा केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि पंजाब के भविष्य की रक्षा की ठोस शुरुआत है।

चंडीगढ़ में राज्य स्तरीय नशा विरोधी रैली का आयोजन

नशे से दूर, जियो भरपूर

03 मई 2025, चंडीगढ़ — नशे के खिलाफ देशव्यापी मुहिम को नया बल देने के लिए चंडीगढ़ में एक भव्य राज्य स्तरीय नशा विरोधी रैली आयोजित की गई। यह रैली यूटी सचिवालय, सेक्टर-9 से आरंभ होकर सेक्टर-17 स्थित तिरंगा पार्क तक पहुँची। इस अभियान का नेतृत्व पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने किया। उन्होंने यूटी सचिवालय से नशा विरोधी एलईडी डिस्प्ले और ऑडियो स्पीकर युक्त प्रचार वैन को हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरुआत की। यह वैन शहर में विभिन्न स्थानों पर जाकर जागरूकता फैलाएगी।

इस अभियान का सार निहित है इसके नारे में – नशे से दूर, जियो भरपूर – जो जीवन को पूर्णता से जीने की प्रेरणा देता है। इसका उद्देश्य है नशीली दवाओं के प्रभाव से मुक्त एक समृद्ध समाज का निर्माण, जिसमें व्यक्ति अपने स्वास्थ्य, परिवार और देश के लिए सकारात्मक योगदान दे सके।

भव्य आयोजन, व्यापक सहभागिता

इस आयोजन को 7,000 से अधिक लोगों ने प्रत्यक्ष रूप से देखा, जिसमें छात्र, प्रशासनिक अधिकारी, आरडब्ल्यूए संघों के प्रतिनिधि और समाज के प्रतिष्ठित नागरिक शामिल थे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण विभिन्न स्कूलों, मॉडल जेल, सरकारी व निजी संस्थानों में किया गया, जिससे लगभग 1.5 लाख नागरिक इससे जुड़े।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और युवाओं की भागीदारी

रैली के अंत में, तिरंगा पार्क में एक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें जीएमएसएसएस-16 के छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने आयोजन को और भी रंगीन और जीवंत बना दिया। रैली में शामिल छात्रों ने पूरे जोश और उत्साह से नशे के खिलाफ अपने विचार व्यक्त किए। रैली में लगभग 5,000 से अधिक स्कूली और कॉलेज छात्र शामिल हुए, जिन्होंने तिरंगा लेकर पूरे मार्ग पर मार्च किया, और इस अभियान को एक बड़े जन आंदोलन का रूप दिया।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति

इस कार्यक्रम में कई महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें पंजाब के राज्यपाल और यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया, हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय, सांसद श्री सतनाम सिंह संधू, सांसद डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान, चंडीगढ़ नगर निगम की मेयर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला, हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष श्री हरविंदर कल्याण, पूज्य जैन आचार्य लोकेश मुनि जी, बाबा भूपेंद्र सिंह जी, महामंडलेश्वर स्वामी दिनेश्वरानंद जी, यूटी चंडीगढ़ के मुख्य सचिव श्री राजीव वर्मा, आईएएस और चंडीगढ़ प्रशासन के सभी वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। इन गणमान्य अतिथियों ने अपने-अपने योगदान से इस रैली को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और नशे के खिलाफ जन जागरूकता फैलाने के लिए एकजुटता का संदेश दिया।

प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया का प्रेरणादायक संदेश

श्री गुलाब चंद कटारिया ने अपने उद्बोधन में युवाओं से आग्रह किया कि वे नशे से दूर रहकर अपने जीवन को एक नई दिशा दें। उन्होंने नशे के खिलाफ यह आंदोलन केवल चंडीगढ़ तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश में फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, नशे से मुक्त भारत निर्माण के लिए हमें एकजुट होकर काम करना होगा। यह सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि एक राष्ट्र निर्माण का आंदोलन है।

राज्यपाल द्वारा खरड़ के श्री राम मंदिर परिसर से जन-संवाद, युवाओं को किया प्रेरित

27 मार्च 2025 खरड़ स्थित श्री राम मंदिर परिसर, जहाँ पावन 'अज्ज सरोवर' स्थित है, एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना, जब राज्यपाल ने नशे के विरुद्ध एक जनयात्रा की शुरुआत करते हुए नागरिकों को प्रेरणादायक संबोधन दिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नशे की विकराल समस्या के प्रति जन-जागरूकता फैलाना और समाज को इस सामाजिक बुराई से मुक्त करने के लिए एकजुट करना था।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में स्पष्ट कहा कि आज पंजाब के सामने नशे की समस्या सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है। यह बुराई युवाओं को भीतर से खोखला कर रही है, परिवारों को तोड़ रही है और समाज की नींव को कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक राज्य की नहीं, बल्कि पूरे देश की चिंता है, जो गाँवों से लेकर महानगरों तक और विकासशील से लेकर विकसित देशों तक फैल चुकी है।

राज्यपाल ने विशेष रूप से माता-पिता और परिवारों की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों की दिशा को सबसे पहले माता-पिता ही समझते हैं। इसलिए जरूरी है कि वे अपने बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा दें, उनकी संगति और गतिविधियों पर ध्यान रखें और उनके साथ विश्वासपूर्ण संवाद बनाए रखें।

खटकड़ कलां में शहीद भगत सिंह स्मारक पर राज्यपाल जी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए

शहीदी दिवस

पर पंजाब के युवाओं को नशे से मुक्त करने का संकल्प, राज्यपाल ने खटकड़ कलां से राज्यव्यापी अभियान किया प्रारंभ

10 दिसंबर 2024 पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के अवसर पर बाबा बकाला, पंजाब से नशामुक्ति अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया। यह अभियान सिख गुरुओं के बलिदानों और पंजाब की वीरता की महान परंपरा से प्रेरणा लेते हुए समाज में नशे के खिलाफ नैतिक व ऐतिहासिक चेतना जागृत करने के उद्देश्य से शुरू किया गया।

इस अभियान को और अधिक व्यापक बनाने के लिए राज्यपाल ने शहीद भगत सिंह के पैतृक गांव खटकड़ कलां से राज्यव्यापी स्तर पर इसका शुभारंभ किया गया। यह ऐतिहासिक स्थल, जो स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारी सोच और संघर्ष का प्रतीक रहा है, नशे के विरुद्ध सामूहिक लड़ाई के संकल्प को मजबूती प्रदान करता है। इस अवसर पर श्री गुलाब चंद कटारिया ने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार भगत सिंह ने भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया था, उसी प्रकार अब पंजाब को नशे से मुक्त करने की लड़ाई लड़नी होगी।

इस अभियान को जनांदोलन का रूप देने के लिए पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने जनता की नशे के खिलाफ पदयात्रा आयोजित करने की अपील की गई। इस यात्रा का उद्देश्य युवा, महिलाएं, सामाजिक संगठन और सामुदायिक नेताओं को इस मुहिम से जोड़कर इसे हर घर तक पहुंचाना है, ताकि पंजाब को एक नशामुक्त और स्वस्थ राज्य बनाया जा सके।

लुधियाना में नशा मुक्त भारत युवा रैली की पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया और केंद्रीय मंत्री श्री वीरेंद्र कुमार ने अगुवाई की

लुधियाना, 12 जनवरी 2025 पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया और केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने नशा मुक्त भारत युवा रैली में युवाओं से नशे के खिलाफ एकजुट होकर इसे जन आंदोलन बनाने की अपील की। कार्यक्रम का आयोजन पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में किया गया, जहां बड़ी संख्या में छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति या परिवार की समस्या नहीं, बल्कि यह पूरे समाज को प्रभावित करता है। इसलिए इससे लड़ने के लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना होगा।

राज्यपाल ने बताया कि उन्होंने पंजाब के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से बातचीत की है, और सभी ने इस अभियान में सहयोग का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में छात्रों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई जाएगी और इस अभियान को स्कूलों और कॉलेजों तक व्यापक स्तर पर फैलाया जाएगा।

5 करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य: केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार ने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान के पिछले चरणों में ९८,००० से अधिक स्कूलों ने भाग लिया था, जिसमें 2 लाख से अधिक युवा और विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठन जुड़े थे। इसके बाद अगले चरण में 3.42 करोड़ लोगों ने भाग लिया। उन्होंने घोषणा की कि इस वर्ष 12 अगस्त तक इस अभियान के तहत 5 करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यक्रम में पंजाब के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री बलजीत कौर और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू भी उपस्थित रहे। इस दौरान राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री ने खेलकूद और विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया और खेल किट वितरित कीं।

राज्यपाल ने 113 वर्षीय फौजा सिंह के साथ पैदल मार्च कर दिया नशामुक्ति का संदेश

10 से 12 दिसंबर 2024 पंजाब में नशे के खिलाफ जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष वॉकथॉन श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस अभियान की अगुवाई पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने की, जिन्होंने खुद इन पदयात्राओं में भाग लेकर जनता को नशामुक्ति का संदेश दिया। अभियान की शुरुआत 10 दिसंबर को ब्यास (जालंधर) से हुई, जहां से 8 किलोमीटर लंबी पदयात्रा निकाली गई। इस ऐतिहासिक अवसर पर राज्यपाल स्वयं जनता के साथ चले और पूरे मार्ग में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं को नशे के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को कमजोर करता है, और इसे समाप्त करने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

इस मुहिम का दूसरा दिन और भी खास रहा, जब 113 वर्षीय दिग्गज मैराथन धावक सरदार फौजा सिंह ने इस अभियान से जुड़कर सभी को प्रेरित किया। 11 दिसंबर को, राज्यपाल और फौजा सिंह ने एक साथ 9 किलोमीटर लंबी यात्रा पूरी की, जो ब्यास से शुरू होकर भट्टे (जालंधर) तक गई। इस ऐतिहासिक दृश्य ने यह संदेश दिया कि शारीरिक और मानसिक मजबूती से कोई भी बाधा पार की जा सकती है। राज्यपाल ने फौजा सिंह के साथ कदमताल करते हुए कहा कि यदि हम नशे के खिलाफ इसी दृढ़ निश्चय के साथ खड़े रहें, तो पंजाब को नशामुक्त बनाना संभव है।

वॉकथॉन का समापन 12 दिसंबर को हुआ, जब भट्टे (जालंधर) से जंगे-आज़ादी मेमोरियल, करतारपुर तक 7 किलोमीटर लंबी यात्रा निकाली गई। समापन समारोह में राज्यपाल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का कर्तव्य है। विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं की भूमिका इसमें महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे समाज में परिवर्तन लाने की सबसे बड़ी ताकत रखते हैं।

राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया

के नेतृत्व में नशामुक्ति आंदोलन को नई दिशा

राज भवन में उप कुलपतियों और नशे के खलिाफ काम कर रही संस्थाओं के साथ मीटिंग

09 जनवरी 2025 पंजाब के राज्यपाल ने नशे की रोकथाम के लिए एक महत्वपूर्ण संवाद की अध्यक्षता की, जिसमें 50 से अधिक विश्वविद्यालयों, स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षाविदों ने भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर नशे की रोकथाम के लिए प्रशासनिक उपायों के साथ-साथ समाज में नैतिक और मानसिक जागरूकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। राज्यपाल ने माता-पिता से अपील की कि वे अपने बच्चों के साथ संवाद बनाए रखें और उन्हें एक सहायक वातावरण प्रदान करें, ताकि वे नशे की ओर आकर्षित न हों।

राज्यपाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता फैलाने के महत्व पर भी बल दिया, जिससे नशे के खिलाफ संदेश को व्यापक स्तर पर पहुंचाया जा सके।

12 जनवरी 2025 राज्यपाल ने नशे की समस्या पर उच्च स्तरीय संवाद में धर्मगुरुओं और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों से किया विचार-विमश पंजाब राज भवन में आयोजित एक उच्च स्तरीय संवाद में राज्यपाल ने धर्मगुरुओं, शिक्षाविदों, उद्योगपतियों, वैज्ञानिकों, पूर्व खिलाड़ियों, कलाकारों, किसानों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श किया। उन्होंने इस समस्या को एक राष्ट्रीय संकट बताते हुए सभी क्षेत्रों की भागीदारी पर जोर दिया। चर्चा में कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाने, शिक्षा प्रणाली में नैतिक मूल्यों को शामिल करने और नशा पीड़ितों के लिए बेहतर पुनर्वास केंद्र स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने धार्मिक नेताओं से अपील की कि वे अपने मंचों का उपयोग कर नशे के खिलाफ समाज को जागरूक करें और इस अभियान को एक जनांदोलन का रूप दें।

प्रेस विज्ञप्ति: 4-4-2025

Governor gives clarion call to Punjabis for rooting out drug menace

Punjab Governor begins 'padyatra' against drugs, Calls for mass movement to eradicate menace

PAKISTAN'S ROLE IN DRUG SMUGGLING

Guv begins 'padyatra', calls on people to uproot drug menace

Guv begins 'padyatra', calls on people to root out drug menace

Kataria begins foot march, asks people to uproot drug menace

राज्यपाल का पंजाबियों से नशे को जड़ से खत्म करने का आह्वान

Guv launches six-day *padyatra* to tackle drug menace in state

Calls for 'jan andolan' to save youth from the hazards of narcotics

Punjab Governor starts foot march against drug menace

As drug menace continues to plague the State, Punjab Governor Gulab Chand Kataria on Thursday started a six-day foot march to create awareness against the problem. The march, which will be covering Gurdaspur and Amritsar districts, was kicked off from the Kartarpur Sahib corridor, Dera Baba Nanak in Gurdaspur. The march will culminate at Jallianwala Bagh in Amritsar on April 8. Addressing a gathering, Mr. Kataria said Punjab has been facing challenges from the neighbouring country (Pakistan), which is fighting a proxy war by sending drugs to create problems in India.

युद्ध नशे के विरुद्ध : करतारपुर कॉरिडोर से पैदल यात्रा शुरू
राज्यपाल कटारिया बोले-नशे के खिलाफ एकजुट होकर लड़ें

डेरा बाबा नानक। राज्य को रंगला पंजाब बनाने और नशा मुक्त मुहिम को लेकर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने भारत-पाक सीमा के करतारपुर कॉरिडोर की इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट से पैदल यात्रा शुरू की। यात्रा कॉरिडोर से शुरू होकर फतेहगढ़ चूड़ियां रोड पर एक प्राइवेट स्कूल में समाप्त हुई। अगला पड़ाव 4 अप्रैल को शुरू होगा और अमृतसर में समाप्त होगा। राज्यपाल ने 4 किमी पैदल यात्रा की।

नशा मुक्त पंजाब व भारत बनाने के लिए मैं आपके साथ चलने आया हूं: राज्यपाल

एंटी ड्रोन तकनीक पर पंजाब सरकार खर्च करेगी 10 करोड़ : राज्यपाल

युद्ध नशे के विरुद्ध

वीरों की धरती पर नशे के लिए कोई जगह नहीं

प्रेस विज्ञप्ति: 5-4-2025

नशे को खत्म करने को एक जन आंदोलन शुरू करें: कटारिया

पंजाब के राज्यपाल की नशे के खिलाफ पदयात्रा

गुब्बारे से तख्ती को उड़ाते हुए पंजाब के राज्यपाल। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

बटाला/अमृतसर। पंजाब के राज्यपाल एवं अध्यक्ष, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, पंजाब गुलाब चंद कटारिया ने लोगों से नशे की बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए एक जन आंदोलन शुरू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए सामूहिक सहयोग ही एकमात्र उपाय है।

पंजाब के राज्यपाल ने नशे के खिलाफ पदयात्रा के दूसरे दिन शुक्रवार को बटाला के फतेहगढ़ चूड़ियां में यात्रा की शुरुआत करते हुए, बड़ी संख्या में एकत्रित लोगों को संबोधित किया। शुक्रवार को पंजाब के राज्यपाल की अगुवाई में पदयात्रा बदेशा रिजॉर्ट, गांव कांडे से शुरू होकर फतेहगढ़ चूड़ियां के बाजारों से होती हुई पंडित मोहन लाल एसडी कॉलेज (महिला), फतेहगढ़ चूड़ियां में संपन्न हुई। यात्रा के समापन पर, पंजाब के राज्यपाल ने सभी उपस्थित जनों को नशा मुक्त पंजाब अभियान में अपना योगदान देने की शपथ भी दिलाई।

अमृतसर में उन्होंने वाहेगुरु के समक्ष माथा टेककर राज्य को नशामुक्त करने की प्रार्थना की है। राज्यपाल ने रिजक प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया जिसके तहत 200 महिलाओं को मासिक राशन बांटा गया। उन्होंने भी महिलाओं में राशन बांटा। प्रोजेक्ट के तहत मिशन दीप ट्रस्ट के 550 बच्चों को गोद लिया गया है। इसके बाद शुक्रवार देर शाम राज्यपाल कटारिया रणजीत एवेन्यू स्थित गुरुद्वारा छठी पातशाही में माथा टेकने के लिए पहुंचे।

Yudh Nashian Virudh is showing positive results: Punjab guv

HT Correspondent

GURDASPUR: Punjab governor Gulab Chand Kataria on Friday said the state government's 'Yudh Nashian Virudh' was starting to show positive results and exhorted the people to start a movement for complete eradication of drugs.

Addressing the people at Fatehgarh Churian in Gurdaspur district on the second day of his 'padyatra' against drugs, he thanked the people for participating in huge numbers and said it was only through collective efforts that the menace can be uprooted.

Kataria said, "We need to oppose the conspiracy by foreign elements to weaken Punjab physically and join hands with the government in its war against drugs."

THE 'PADYATRA' WILL CULMINATE AT JALLIANWALA BAGH ON APRIL 8

He appealed to the people from rural and urban areas to put up boards outside their respective streets that they oppose this menace and will extend full cooperation to uproot it.

He said as the state government's crackdown has started showcasing positive results, it is a chance for every aware resident to support the government in this cause.

Punjab governor Gulab Chand Kataria on Day 2 of foot march against drugs at Fatehgarh Churian, Gurdaspur, on Friday.

Kataria praises village panels in curbing drugs

Tribune News Service

Guv holds *padyatra* in Gurdaspur's Fatehgarh Churian on Day 2

GURDASPUR, APRIL 4

Governor Gulab Chand Kataria has praised the role of village defence committees (VDCs) in trying to eradicate drug menace in border villages.

He was in Fatehgarh Churian on Friday as part of his *padyatra* (foot march) against drug menace.

The primary aim of the VDCs is to maintain a close link with the Border Security Force (BSF) and the Punjab Police to curb cross-border smuggling of drugs, enhance security in the area and inform security agencies about the presence of drones.

Kataria also lauded the state government's anti-drug campaign, "Yudh Nashian Virudh". He said the initiative had started producing results. "People trapped in the quagmire of drugs are being provided free treatment at rehabilitation centres," he said.

He was accompanied, among others, by Principal Secretary Vivek Partap Singh and secretary of the Indian Red Cross Society (Punjab) Shivdular Singh Dhillon. The foot march was organised from a marriage palace to the Pt Mohan Lal SD College for Women. Kataria pointed towards Pakistan and said the country was engaged in a conspiracy to weaken Punjab and Punjabis.

Governor Gulab Chand Kataria greets residents in Gurdaspur.

बटाला में नशे को जड़ से खत्म करने के लिए पदयात्रा, अमृतसर में आज

जंग हम जीतेंगे, नशे की बुराई समाज में आई है और हमें इसका मिलकर सामना करना होगा : राज्यपाल

नशे के खिलाफ पदयात्रा का दूसरा दिन

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने फतेहगढ़ चूड़ियां में दिलाई 'नशा मुक्ति' की शपथ

नशे के खिलाफ पदयात्रा का दूसरा दिन : फतेहगढ़ चूड़ियां से यात्रा की शुरुआत

नशे के खिलाफ जंग को जरूर जीतेंगे : राज्यपाल

नशे को जड़ से खत्म करने के लिए जन आंदोलन शुरू करें लोग : राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया

नशे के खिलाफ पदयात्रा के दूसरे दिन गवर्नर कटारिया ने फतेहगढ़ चूड़ियां से की यात्रा शुरू

प्रेस विज्ञप्ति: 6-4-2025

Governor emphasises role of Village-level Defence Committees in preventing drug smuggling from across border

Governor Kataria leads Anti-Drug March in Amritsar for third consecutive day

सीमावर्ती इलाकों में 'विलेज डिफेंस' कमेटियों को मजबूत करेंगे : कटारिया

पैदल यात्रा दौरान राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व अन्य।

अमृतसर में नशे के खिलाफ पदयात्रा गांवों में युवाओं को नशे से दूर रखें, खेलों से जोड़ें : कटारिया

ड्रोन विरोधी तकनीक से सीमा पार से तस्करी में कमी आई : राज्यपाल

बोले-सरकार तस्करी को रोकने के लिए एंटी ड्रोन तकनीक पर 10 करोड़ रुपये खर्च कर रही

सीमा पार से नशा तस्करी रोकने के लिए ग्राम रक्षा समितियों को मजबूत किया जाएगा : राज्यपाल

ड्रोन रोधी तकनीक और जन समर्थन से सीमा पार से होने वाली नशीली दवाओं की तस्करी में कमी आई

पंजाब में नशा समाप्त करने के लिए जागरूकता जरूरी : राज्यपाल कटारिया

नशे के नेटवर्क को तोड़ने में हर वर्ग का सहयोग लेंगे : कटारिया

अमृतसर में नशे के खिलाफ मार्च निकालते राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया।

Unemployment fuelling drug menace: Governor

TRIBUNE NEWS SERVICE

NAWAN PIND (AMRITSAR), APRIL 5

The *padyatra* (foot march) launched by Governor Gulab Chand Kataria to create awareness against peril of drugs entered Amritsar on the third day of the campaign on Saturday.

Today, it started from Sri Guru Harkrishan Senior Secondary Public School at Nawan Pind village along the Amritsar-Fatehgarh Churian road and culminated at Sri Guru Ram Dass Nursing College at Pandher village.

Speaking to *The Tribune*, Kataria said there was a need to increase employment opportunities for the youth, especially in border areas, apart from engaging them in sports to channelise their energy so that they did not fall into the deadly trap of drugs.

"Unemployment has been aiding the drug scourge. Efforts should be made to increase employment opportunities, particularly in border areas, to keep them away from drugs," he said.

He said his anti-drug campaign had got very good public response. The campaign should not remain limited to six days only, it should be kept going as a public movement, he added.

On the absence of state government representatives, including Chief Minister Bhagwant Mann, from the campaign, he hoped they might attend the events on April 7 or April 8 towards the culmination of the campaign. A large number of people, including intellectuals, vice-chancellors and prominent personalities would take part in the concluding day event of the campaign.

Before starting the foot march, Kataria had called upon the CM and political leaders to be part of the campaign whenever they find time during these days. However, the CM and the AAP national convener launched another anti-drug campaign from Ludhiana on the eve of the Governor's foot march.

The Governor said the village defence committees (VDCs) needed to be strengthened to fight the evil of drugs. He exhorted women to play more proactive role in fighting drugs.

International hockey Olympians Ramandeep Singh and Arjuna Awardee Akashdeep Singh also took part in the march.

Punjab Governor Gulab Chand Kataria honours a blood donor at Nawan Pind in Amritsar on Saturday. PHOTO: VISHAL KUMAR

ड्रोन विरोधी तकनीक के कारण सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी घटी: कटारिया

कहा, मादक पदार्थ पर अंकुश के लिए ग्राम स्तरीय रक्षा समितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही

प्रेस विज्ञप्ति: 7-4-2025

नशे के विरुद्ध राज्यपाल की पद-यात्रा

Won't allow land of warriors and martyrs to be destroyed by drugs: Punjab Governor

Won't let land of martyrs be destroyed by drugs: Punjab Governor

More anti-drone systems to stop drug supply from across border: Kataria

शहीदों की भूमि को नशे से बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा : राज्यपाल

नशीले पदार्थों की तस्करी जारी, हमारी सेनाएं इसे रोकने के लिए दिन-रात सक्रिय

अमृतसर में नशा विरोधी अभियान के तहत पैदल मार्च का दूसरा दिन

योद्धाओं और शहीदों की धरती को नशे से बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा : राज्यपाल कटारिया

- कहा-सरकार पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए विशेष प्रयास कर रही

उत्तम हिन्दू न्यूज़ नेटवर्क

पैदल मार्च दौरान बच्चों के साथ खड़े पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया।

अमृतसर/दीपक मेहरा : नशे के खिलाफ जंग के संकल्प के साथ पंजाब के सीमावर्ती जिलों में पैदल मार्च कर रहे पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने अमृतसर जिले में लगातार दूसरे दिन पैदल मार्च का नेतृत्व किया और पंजाब के लोगों से नशे के खिलाफ जिहाद छेड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पंजाब की धरती जो अपनी देशभक्ति, वीरों, शहीदों और योद्धाओं के अद्वितीय बलिदानों के लिए जानी जाती है, उसे नशे से बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुश्मन देश से मादक पदार्थों की तस्करी जारी है, लेकिन हमारी सेनाएं भी इसे पकड़ने के लिए दिन-रात काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में नशा केवल पंजाब की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे देश को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। इसीलिए पंजाब सरकार पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब चूंकि सीमावर्ती राज्य है और वहां से आसानी से नशीले पदार्थों की तस्करी होती है, इसलिए दुश्मन इसका फायदा उठाकर नशीले पदार्थों की आपूर्ति कर रहे है। फतेहगढ़ चूड़ियां रोड स्थित शहीद भगत सिंह ग्रुप ऑफ कालेज में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने बच्चों और शुभचिंतकों को अपने आसपास के वातावरण को नशा मुक्त बनाने में योगदान देने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बच्चों ने पैदल मार्च में भाग लिया।

नशा तस्करी रोकने के लिए बॉर्डर पर बढ़ेगी एंटी ड्रोन सिस्टम की संख्या

नशे के खिलाफ मार्च निकालते राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया। संवाद

अमृतसर। नशा केवल पंजाब की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे देश को अपनी गिरफ्त में ले रही है। इसीलिए पंजाब सरकार की ओर से पंजाब को नशा मुक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

यह बात युद्ध नशे के विरुद्ध संकल्प के साथ पंजाब के सीमावर्ती जिलों में पदयात्रा के लिए निकले पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कही। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी रोकने के लिए बॉर्डर पर एंटी ड्रोन सिस्टम की संख्या बढ़ाई जाएगी। उन्होंने फतेहगढ़ चूड़ियां रोड स्थित शहीद भगत सिंह ग्रुप ऑफ कालेज में बच्चों और बुजुर्गों को अपने आसपास के वातावरण को नशा मुक्त बनाने में योगदान देने के लिए आमंत्रित किया। संवाद

योद्धाओं व शहीदों की धरती को नशे से बर्बाद नहीं होने देंगे : कटारिया

Young guns join the cause

Punjab governor Gulab Chand Kataria during his 'padyatra' against drugs in Amritsar on Sunday.

Guv holds 'Padyatra' against drugs as part of state govt's 'Yudh Nasheyan Virudh' campaign

प्रेस विज्ञप्ति: 8-4-2025

नशा खत्म करना है तो जनसहभागिता ही सबसे बड़ा हथियार : कटारिया

लोगों और नेताओं के मुहिम में न आने से राज्यपाल नाराज

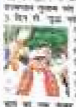

[illegible]

जब भी संकट आया, पंजाब हमेशा देश के लिए खड़ा रहा : राज्यपाल

राज्यपाल ने नशे के खात्मे के लिए लोगों से मांगा सहयोग, सीमावर्ती राज्य होने से पंजाब सबसे ज्यादा पीड़ित

[illegible]

Inculcate dignity of labour in children, Kataria urges parents

TRIBUNE NEWS SERVICE

AMRITSAR, APRIL 7

The padyatra against drugs, led by Punjab Governor Gulab Chand Kataria, from the sacred land of Dera Baba Nanak, entered its fifth day in Amritsar today.

Seeking the support of common people for the elimination of drugs from the state, the Governor said Punjab was renowned as the land of Guru Sahiban, saints, warriors, prophets, players and patriots and this identity of the state must be kept intact at all costs.

The Governor said these brave people had steadfastly confronted each and every danger faced by the country — whether it was external aggression, need of foodgrains or any other issue. Punjab was at the forefront in the freedom movement too and accounted for the maximum number of sacrifices made for the sake of freedom of the nation.

He told the people to be ever vigilant about their environment and near and dear ones and ensure that the children made a connection with the sports along with education so as to make a "Rangla Punjab". He said universities and colleges should concentrate on preparing world-level grounds to encourage the children to take up sports. Also, it was important that the parents inculcated values of dignity of labour and enterprise in their children," he said.

Students participate in a padyatra being undertaken by Punjab Governor Gulab Chand Kataria in Amritsar. PHOTO: VISHAL KUMAR

GUV KATARIA SEEKS PUBLIC SUPPORT IN ERADICATING DRUGS MENACE

AMRITSAR On the fifth day of his 'padyatra' against drug abuse, Punjab Governor Gulab Chand Kataria on Monday sought public support for wiping out the menace from the state. The six-day 'padyatra (foot march)', which began on April 3 from Dera Baba Nanak in Gurdaspur, will culminate at Jallianwala Bagh in Amritsar. The 'padyatra' entered Amritsar on Monday. Punjab is renowned as the land of 'Guru Sahiban', seers, warriors, prophets, sportspersons and patriots and this identity must be kept intact at all cost, Kataria said. These brave people steadfastly confronted each and every danger faced by the country, he further said and added Punjab was at the forefront of the freedom movement. He asserted that the drugs menace could only be eradicated with active cooperation from the people. / DW BUREAU /

नशे के विरुद्ध पदयात्रा में राज्यपाल को नहीं मिला नेताओं का साथ

[illegible]

सांसद साहनी पंजाब के सीमावर्ती जिलों में स्थापित करेंगे कौशल केंद्र

चंडीगढ़, 7 अप्रैल (रमनजीत): पंजाब में नशे से निपटने और युवाओं के पुनर्वास को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने सोमवार को अमृतसर में स्वामी विवेकानंद नशामुक्ति और पुनर्वास केंद्र का दौरा किया।

राज्यपाल वर्तमान में 8 दिवसीय पदयात्रा में भाग ले रहे हैं, जिसमें नशे के दुरुपयोग को खत्म करने की तत्काल आवश्यकता के बारे में राज्य भर में जागरूकता फैलाई जा रही है। पदयात्रा के दूसरे दिन उन्होंने राज्यसभा सदस्य विक्रमजीत सिंह साहनी से जुड़ी संस्था सन फाउंडेशन द्वारा संचालित कौशल विकास केंद्र के संचालन की समीक्षा की, जो नशे के पीड़ितों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण और नौकरी प्रदान करता है। समग्र पुनर्वास मॉडल से प्रभावित होकर राज्यपाल कटारिया ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि हमारे युवाओं को नशे की लत से मुक्त करना ही काफी नहीं है, बल्कि कौशल विकास और सतत रोजगार के माध्यम से उनका पुनर्वास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नशामुक्ति को आजीविका के अवसरों के साथ जोड़ने का सन फाउंडेशन का मॉडल एक सराहनीय है।

पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र में इस तरह के प्रयासों का विस्तार करने की राज्यपाल की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्यसभा सांसद डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी, जो सन फाउंडेशन के अध्यक्ष भी हैं, ने क्षेत्र में नशामुक्ति और पुनर्वास के लिए कई कौशल केंद्रों की स्थापना की घोषणा की। डॉ. साहनी ने कहा कि सीमावर्ती जिले विशेष रूप से नशे की चपेट में हैं और युवाओं पर इसके बुरे प्रभावों के प्रति संवेदनशील हैं।

Jakhar to join guv anti-drug march in Asr

Chandigarh: Punjab-BJP president Sunil Jakhar will on Tuesday join Gulab Chand Kataria in Amritsar when the governor ends his padyatra (foot march) against the state's drug menace. Hw said over the phone on Monday: "The governor has shown concern for the youth of Punjab and is making a sincere effort against the menace of drugs, a sincerity that is lacking in govt efforts.. It is sincerity versus publicity." Arguing that governors didn't belong to any party, the state BJP chief said: "Governor Kataria has invited all people, regardless of party affiliations, to join him in his initiative against drugs." Kataria started the six-day padyatra from Kartarpur Sahib Corridor in Gurdaspur district on April 3. TNN

Governor's 'padyatra' against drugs e ntres fifth day

N.P.S. CHAMAK
PUNJAB EXPRESS BUREAU
Amritsar, April 7

The padyatra begun by the Governor, Punjab, Gulab Chand Kataria as part of the Yudh Nashian Virudh campaign of Punjab government, from sacred land of Dera Baba Nanak on Monday entered its 5th day.

Soliciting the support of common people for elimination of drugs from Punjab, the Governor said that Punjab is renowned as the land of Guru Sahiban, Saints, Seers, Warriors, Prophets, Players and Patriots and this identity of the state must be kept intact at all costs.

Lauding the Punjabi people, Kataria said that these brave people have steadfastly confronted each and every danger faced by the country whether it is the external aggression, need of foodgrains or any other issue.

Marching for a cause

[illegible]

नशा उन्मूलन में सहयोग दें : राज्यपाल

अमृतसर। पंजाब सरकार की नशे के विरुद्ध जंग मुहिम के तहत लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की ओर से डेरा बाबा नानक की पवित्र धरती से शुरू की पदयात्रा सोमवार को अमृतसर में प्रवेश कर गई। कटारिया ने राज्य से नशे के उन्मूलन के लिए लोगों से सहयोग मांगा। वे दुर्ग्याणा मंदिर भी पहुंचे। [illegible]

दुर्ग्याणा मंदिर में माथा टेकने पहुंचे राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया व अन्य। [illegible]

प्रेस विज्ञप्ति: 9-4-2025

People's support a must to end drug menace: Guv

HT Correspondent

AMRITSAR: Punjab governor Gulab Chand Kataria-led 'padyatra', which was launched from Kartarpur Sahib corridor at Dera Baba Nanak against drugs on April 3, culminated at Jallianwala Bagh in presence of BJP's Punjab chief Sunil Jakhar and Union minister of state Ravneet Singh Bittu among others in Amritsar on Tuesday.

Urging people to eliminate the drug menace, Kataria said during his address at Jallianwala Bagh that there was no place for drugs in Punjab that had sacrificed the most for the country and religion. He appealed to the people to launch a mass movement against drugs as he said that no government could eliminate it without people's support. He also appealed to the leaders of various parties present on the stage to join hands to end the menace.

Punjab governor Gulab Chand Kataria meets students during the 'padyatra' against drugs in Amritsar on Tuesday.

URGES LEADERS OF VARIOUS PARTIES TO JOIN HANDS TO END THE DRUG MENACE IN PUNJAB

राज्यपाल की नशे के खिलाफ पैदल यात्रा जलियांवाला बाग में सम्पन्न

देश व धर्म के लिए बलिदान देने वाले पंजाब में नशा खत्म करेंगे : कटारिया

पैदल मार्च का नेतृत्व करते राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, साथ हैं केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, सुनील जाखड़ व अन्य।

नशामुक्त मुहिम अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग में खत्म

पदयात्रा सिर्फ राज्यपाल की नहीं, जन-जन का आंदोलन बनना चाहिए: कटारिया

कहा- नशा रोकने को सभी एक मंच पर आएं, इस मुद्दे पर राजनीति न हो

On last day of campaign, Kataria: 'Don't politicise drug issue'

EXPRESS NEWS SERVICE

AMRITSAR, APRIL 8

UNDER THE Punjab government's 'War Against Drugs' campaign, the awareness march launched by Punjab Governor Gulab Chand Kataria from the Dera Baba Nanak concluded at Jallianwala Bagh on Wednesday.

Governor Gulab Chand Kataria concludes his 'padyatra' at the Jallianwala Bagh in Amritsar on Wednesday.

श्री हरिमंदिर साहिब में नतमस्तक हुए राज्यपाल कटारिया

श्री हरिमंदिर साहिब में नतमस्तक होने मौके राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया।

पावन साहिब को कथा देने की सेवा की और नशे के खिलाफ मुहिम की सफलता के लिए की अरदास

Guv urges people to make campaign against drugs a mass movement, ends padyatra

Governor Gulab Chand Kataria takes part in 'Walk Against Drugs', in Amritsar on Tuesday

Pb Police yet to establish drug links of sacked cop

नशों के विरुद्ध राज्यपाल कटारिया की पदयात्रा पहुंची जलियांवाला बाग

पद यात्रा में शामिल हुए फूलवती प्रो. राजीव सूद

Punjab Governor Gulab Chand Kataria, Punjab BJP President Sunil Jakhar and BJP leader Rana Gurmit Singh Sodhi visit Jallianwala Bagh during a 'Walk Against Drugs' in Amritsar on Tuesday.

देश व धर्म के लिए सबसे अधिक बलिदान देने वाले पंजाब में नशे के लिए कोई स्थान नहीं : राज्यपाल कटारिया

पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ और केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू, मंत्री समेत कई दिग्गज शामिल हुए

राज्यपाल ने पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए श्री गुरु रामदास जी के दर पर की अरदास

हम सबका एक ही सपना – नशा मुक्त हो पंजाब अपना

पंजाब राजभवन

सेक्टर-6, चंडीगढ़, पिन कोड-160019

ईमेल पताः section.press@gmail.com

आप हमें फेसबुक और इंस्टाग्राम पर भी फ़ॉलो कर सकते हैं

https://www.facebook.com/G.C.KatariaUDR/
https://www.instagram.com/gulabchand_kataria/
https://x.com/Gulab_kataria/